C-9 Assessment for Learning

संज्ञानात्मक अधिगम (Cognitive Learning) :- संज्ञानात्मक अधिगम वह प्रक्रिया है जिसमें कि अधिगम किस प्रकार किया जाय। इसके छः स्तर होते हैं।

(1) ज्ञान (Knowledge)
(2) बोध (Comprehension)
(3) प्रयोग (Application).
(4) विश्लेषण (Analysis).
(5) संश्लेषण (Synthesis).
(6) मूल्यांकन (Evaluation).

(1) ज्ञान :- प्रत्यक्ष प्रश्नों द्वारा विद्यार्थी की प्रत्यास्मरण तथा पहचानने की योग्यता का परीक्षण किया जाता है। तथा दी हुई सूचना की पुनरावृत्ति करने की योग्यता देखी जाती है।

(i) सूचना का निरीक्षण
(ii) तिथि, घटना और स्थानों का ज्ञान

(iii) मुख्य विचारों का ज्ञान।
(iv) निहित सामग्री।

(२) प्रश्नों के संकेत - इसके लिए जो प्रश्न होते है उसकी सूची तैयार की जाती है, पहचान, निर्णय, अनुमान।

(२) बोध :-
(1) विद्यार्थियों को दी हुई सामग्री को अपने शब्दों में व्यक्त करना। बोध के अन्तर्गत निम्नलिखित शब्द सम्मिलित हैं

(i) सूचनाओं को समझना।
(ii) अर्थों को आत्मसात करना।
(iii) ज्ञान का अनुवाद नवीन सन्दर्भों में करना।
(iv) तथ्यों की व्याख्या करना, तुलना तथा विशेषता
(v) व्यवस्थित, समूहबद्ध और कारणों का अनुमान करना।
(vi) परिणामों का पूर्व कथन।
(३) (ii) प्रश्नों का संकेत :- सार करना, वर्णन करना, व्याख्या करना।

(3) प्रयोग – सूचना का नवीन ~~परि-~~
~~स्थिति के~~

(3) प्रयोग :- सूचना का नवीन परि-
स्थितियों में प्रयोग करना

(1) विद्यार्थियों को नवीन परिस्थिति देकर समस्या को हल करने के लिए अर्जित ज्ञान का प्रयोग करना।

(i) सूचना का प्रयोग

(ii) नवीन परिस्थितियों में नियमों, प्रत्ययों तथा सिद्धान्तों का प्रयोग करना।

(iii) समस्याओं को बौद्धिक कौशल या ज्ञान का प्रयोग कर हल करना।

(iv) दर्शाना, प्रदर्शन

(4) विश्लेषण :- किसी प्रकरण का परीक्षण करना और उसे विभाजित करना

(1) विद्यमान की अवधारणा के पश्चात दी गई परिस्थिति के समरूप परिस्थिति को देकर उसी प्रकार की विशिष्ट परिस्थिति प्रस्तुत कर उसे विश्लेषित कर उपयुक्त प्रक्रिया का वर्णन या ~~समस्या~~ समस्या के हल का आंकलन किया जाता है।

(i) प्रारूप देखना

(ii) भागों को अवलोकित करना

(iii) छुपे हुए अर्थों को पहचानना।

(iv) घटकों को पहचानना।

(5) संश्लेषण :- सूचना को नवीन या ~~अदितीय~~ अद्वितीय रूप में हल करने के लिए प्रस्तुत करना।
(i) विद्यार्थियों को अद्वितीय रूप में समस्या प्रस्तुत कर उपयुक्त सूचना के प्रयोग द्वारा हल करने की योग्यता का आकलन करना।
(i) नवीन विचारों को उत्पन्न करने के लिये प्राचीन विचारों का प्रयोग करना।
(ii) दिये हुए तथ्यों से सामान्यीकरण करना।
(iii) अनेक क्षेत्रों से ज्ञान को सम्बन्धित करना।
(iv) पूर्व कथन और निष्कर्ष निकालना।

6. मूल्यांकन (Evaluation) :

मूल्यांकन के मानकों का प्रयोग कर गुणात्मक या मात्रात्मक निर्णय किया जाता है।
(i) विचारों में तुलना करना।
(ii) प्रस्तुतिकरण और सिद्धान्तों के मूल्य का आकलन।
(iii) तार्किक आधार का चयन करना।
(iv) साक्ष्य के मूल्य का सत्यापन करना।
(v) आत्मगतता को पहचानना।

C-9 Assessment for Learning

## चिन्तन कौशल (Thinking Skills)

गिलफोर्ड ने चिन्तन कौशल का प्रतिपादन किया था। चिन्तन सम्बन्धी क्रियाओं का वर्णन करते हुए गिलफोर्ड के द्वारा सर्वप्रथम महत्वपूर्ण तथ्यों को प्रस्तुत किया जाता है।

चिन्तन कौशल को पाँच भागों मे विभक्त किया गया है।

(i) संज्ञान (Cognitive)
(ii) स्मृति (Memory)
(iii) अभिसरण चिन्तन (Convergent Thinking)
(iv) अपसरण चिन्तन (Divergent Thinking).
(v) मूल्यांकन (Evaluation)

(i) संज्ञान (Cognitive) - संज्ञान से तात्पर्य पुनः खोज अथवा पहचान से

(ii) स्मृति (Memory) - खोज की गई सामग्री का भण्डारण

(3) अभिसरण चिन्तन (Convergent Thinking) :- जब व्यक्ति ऐसी समस्या का जिसका एक ही सही हल या उत्तर हो सकता है और अवधारणा द्वारा उस उत्तर को खोजते है उसे अभिसरण की योग्यता कहते है। इसमें तीन योग्यताऐं सम्मिलित है।

(i) धारा प्रवाहिता (Fluency)
(ii) लचीलापन (iii) मौलिकता।

(4) अपसरण चिन्तन (Divergent Thinking) :- एक नये अथवा जो आमतौर से स्वीकृत नही है, ऐसे उत्तर को खोज निकालना अपसरण चिन्तन कहते है।

(5) मूल्यांकन (Evaluation) :-

इसमे ऐसे निर्णय पर पहुँचते है जैसे अच्छा, सही, उपयुक्त, सरल जैसे —

तर्क और समस्या का हल :-

तर्क, क्रमिक संगत तथा नियमित विशिष्ट चिन्तन का एक रूप है।